भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **5661** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 27 मार्च, 2026/06 चैत्र, 1948 (शक) को दिया जाना है

पत्तनों के माध्यम से माल ढुलाई

†5661. श्री बजरंग मनोहर सोनवणे :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में संभार तंत्र संबंधी लागत को कम करने और दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से पत्तनों और अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है और यदि हां, तो राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कृषि और औद्योगिक उत्पादों के निर्यात की सुविधा के लिए पत्तन कनेक्टिविटी और संभार तंत्र अवसंरचना को सुदृढ़ करने का सरकार का कोई प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विशेषकर मराठवाड़ा क्षेत्र सहित महाराष्ट्र में प्रस्तावित / कार्यान्वयनाधीन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त पहलों से संबंधित क्षेत्रों में किसानों, उद्योगों और रोजगार सृजन को किस प्रकार लाभ होने की संभावना है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): सरकार ने महापत्तनों और अंतर्देशीय जलमार्गों की लॉजिस्टिक्स लागत कम करने और दक्षता बढ़ाने हेतु नए पत्तनों, टर्मिनलों, पार्किंग प्लाजा का निर्माण, मौजूदा बर्थों और टर्मिनलों का मशीनीकरण/ आधुनिकीकरण/ अनुकूलन, रेल और सड़क मार्ग के माध्यम से आतंरिक क्षेत्र संपर्कता का विस्तार, मैनुअल प्रपत्रों को हटाना, प्रत्यक्ष पत्तन डिलीवरी और एंट्री की सुविधा, कंटेनर स्कैनर की संस्थापना, ई- डिलीवरी आदेश/ चालान/ भुगतान, आरएफआईडी- आधारित गेट स्वाचन प्रणाली, फेयरवे विकास, जेट्टियां, मल्टी-मॉडल टर्मिनल, नौचालन सुधार, अंतर्देशीय परिवहन के लिए 35% सब्सिडी सहित नीतिगत प्रोत्साहन, अंतर्देशीय जलयानों पर टनभार कर का विस्तार, कार्गो हब का निर्माण, इंडो- बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग को चालू करना आदि जैसे विभिन्न उपाय किए हैं।

(ख) से (घ): भारत सरकार के सागरमाला कार्यक्रम में पत्तन संपर्कता हेतु एक समर्पित स्तंभ है जो पत्तनों की अंतिम मील और निकटवर्ती आंतरिक क्षेत्रों की संपर्कता पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि समग्र लॉजिस्टिक्स लागत को कम किया जा सके। इसके अतिरिक्त, उद्योग और आतंरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 2022 में प्रचालित पत्तनों की संपर्कता की समीक्षा कर एक व्यापक पत्तन संपर्कता योजना (सीपीसीपी) तैयार की और उन पत्तनों की पहचान की जिन्हें नजदीकी आर्थिक केंद्रो से सड़क और/ अथवा रेल संपर्कता में सुधार की आवश्यकता थी। अंतिम मील संपर्कता प्रदान करने हेतु कुल 157 सड़क संपर्कता परियोजनाएं और 124 रेल संपर्कता परियोजनाएं कार्यान्वयन हेतु चिह्नित की गई है, जिनमें महाराष्ट्र राज्य भी शामिल हैं जहां 2 रेल और 8 सड़क संपर्कता परियोजनाएं पूरी की गई है और 32 परियोजनाएं कार्यान्वयन और नियोजन के विभिन्न चरणों में है। इन संपर्कता परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-I** में उपलब्ध है।

पत्तनों और उनके आंतरिक क्षेत्रों की बेहतर सड़क और रेल संकर्पता से किसानों को बड़े घरेलू और अंतराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच मिलती है, परिवहन का समय और लागत कम होती है और फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान कम होता है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होती है। उद्योगों को कच्चे माल और तैयार माल की कुशल आवाजाही से लाभ होता है, जिससे लॉजिसिटक्स लागत कम होती है प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होता है और निवेश के अवसरों में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त, ये परियोजनाएं निर्माण के दौरान प्रत्यक्ष रोजगार और लॉजिस्टिक्स भंडारण और संबद्ध क्षेत्रों में वृद्धि के माध्यम से अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करती है जो समग्र क्षेत्र आर्थिक विकास और आजीविका संवर्धन में सहयोग देती है।

अनुबंध- I

सागरमाला कार्यक्रम के तहत महाराष्ट्र राज्य के लिए पत्तन संपर्कता परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना का नाम	परियोजना श्रेणी	पत्तन	स्थिति
1	बीएमसीटीपीएल-पीएसए चौथे टर्मिनल के लिए रेल संपर्कता	रेल	जेएनपीटी	पूरी की गई
2	आरओबी संशोधन सहित डीएफसी अनुरूप कॉमन रेल यार्ड (भाग-1 और भाग-2) का विकास	रेल	जेएनपीटी	पूरी की गई
3	रा.रा. 4 के पुणे-सतारा खंड को 6 लेन का बनाना	सड़क	जेएनपीटी	पूरी की गई
4	जेएनपीटी - रा.रा.-4बी-एसएच-54 और अमरा मार्ग के 6 से 8 लेन का निर्माण	सड़क	जेएनपीटी	पूरी की गई
5	जेएनपीटी वाई जंक्शन पर फ्लाईओवर	सड़क	जेएनपीटी	पूरी की गई
6	एसएच 92- 96- 97 को रा.रा.17 से दिघी पत्तन के उत्तर और दक्षिण तटों तक अपग्रेड करना	सड़क	दिघी	पूरी की गई
7	जेएन पत्तन में कंटेनर रोड पर नॉर्थ गेट कॉम्प्लेक्स के पास फ्लाईओवर का निर्माण	सड़क	जेएनपीटी	पूरी की गई
8	जेएनपीटी होल्डिंग यार्ड में ओएनजीसी ब्रिज एक्सटेंशन का कार्य	सड़क	जेएनपीटी	पूरी की गई
9	जेएनपीटी में डीपीडब्ल्यू टर्मिनल तक कंटेनर टर्मिनल-330 मीटर विस्तार के लिए निकासी सड़क	सड़क	जेएनपीटी	पूरी की गई
10	जिला पालघर, महाराष्ट्र में खरवादेश्वरी जेट्टी तक पहुंच मार्ग का निर्माण	सड़क	पालघर	पूरी की गई
11	जसाई से जेएनपीटी तक तीसरी लाइन रेल संपर्कता	रेल	जेएनपीटी	कार्यान्वयनाधीन
12	वधावन पत्तन वनागांव और दहानु स्टेशन के बीच ट्रंक लाइन से रेल संपर्कता।	रेल	वधावन	कार्यान्वयनाधीन
13	रा.रा. 17 के पनवेल से इंदापुर खंड को 2 से 4 लेन का बनाना - चरण 3	सड़क	जेएनपीटी	कार्यान्वयनाधीन
14	करंजा में रो-रो जेट्टी तक पहुंच मार्ग का निर्माण	सड़क	करंजा	कार्यान्वयनाधीन
15	माडखोल-संकेश्वर	सड़क	रेड्डी	कार्यान्वयनाधीन
16	नारंगी जेट्टी तक पहुंच मार्ग का निर्माण	सड़क	विरार	कार्यान्वयनाधीन

17	एमबीपीटी से फ्रेट आवाजाही के लिए वडाला और कुर्ला के बीच समर्पित माल लाइन	रेल	मुंबई	योजना के तहत
18	उरण वाणिज्यिक लोडिंग टर्मिनल से पत्तन तक रेलवे लाइन (करंजा टर्मिनल लॉजिस्टिक्स)	रेल	करंजा	योजना के तहत
19	रेड्डी पोर्ट से कोंकण रेलवे के सावंतवाड़ी रोड स्टेशन तक रेल संपर्कता	रेल	रेड्डी	योजना के तहत
20	रत्नागिरी से जयगढ़ (अंगरे पोर्ट) तक रेल संपर्कता	रेल	जयगढ़ और आंग्रे	योजना के तहत
21	वैभववाड़ी से कोल्हापुर तक रेल संपर्कता	रेल	जयगढ़ – जेएसडब्ल्यू	योजना के तहत
22	दिघी पत्तन (अगरदंडा) से रोहा तक रेल संपर्कता	रेल	दिघी	योजना के तहत
23	जेएसडब्ल्यू डोल्वी / पेन स्टेशन से जेएसडब्ल्यू धरमतर पोर्ट तक रेल संपर्कता	रेल	धर्मातर	योजना के तहत
24	इंडो एनर्जी (सनेगांव) से रोहा तक रेल संपर्कता	रेल	रेवदंडा	योजना के तहत
25	भारत फ्रेट (धर्मतर) से आप्टा तक रेल संपर्कता	रेल	धर्मातर	योजना के तहत
26	108 किमी, 6 लेन रोड, इंदापुर से पुणे को जोड़ने वाली सड़क	सड़क	राजपुरी/ दिघी	योजना के तहत
27	12 किमी 4 लेन सड़क दोनों पत्तनों को पुणे से जोड़ती है	सड़क	राजपुरी/ दिघी	योजना के तहत
28	डीआईजीएचआई से अगारडंडा टर्मिनल एक्सेस तक 20 किमी 4 लेन सड़क	सड़क	राजपुरी/ दिघी	योजना के तहत
29	कोलाड, इंदापुर और मांगण में 3 ग्रेड सेपरेटर	सड़क	राजपुरी/ दिघी	योजना के तहत
30	4 लेन (बिटुमेन रोड), रोहा को दोनों टर्मिनलों से जोड़ता है	सड़क	राजपुरी/ दिघी	योजना के तहत
31	वराल के पास खाड़ी पर पुल, दोनों टर्मिनल एक्सेस रोड को जोड़ता है	सड़क	राजपुरी/ दिघी	योजना के तहत
32	वडोवन को तारापुर-बोईसर या चिंचनी-वाणगांव या दहानू के माध्यम से रा.रा. 8 से जोड़ना	सड़क	वधावन	योजना के तहत
33	मुंब्रा को बाईपास करते हुए रा.रा.-4 और रा.रा.-8 को जोड़ना	सड़क	जेएनपीटी	योजना के तहत
34	प्रस्तावित नया संरेखण - 12 किमी करंजा रो-रो जेट्टी से जेएनपीटी रोड (एसएच-348)	सड़क	करंजा	योजना के तहत
35	मांडवा से अलीबाग तक संपर्कता रोड के लिए अलग संरेखण प्रस्तावित है	सड़क	मांडवा	योजना के तहत

36	धरमतर पत्तन को वडखल तक सुद्दढ़ और विस्तारित करना	सड़क	धर्मातर (अलीबाग)	योजना के तहत
37	दोनों तरफ (अगरदंडा साइड और दिघी साइड) रा.रा. 66 तक मौजूदा सड़क संपर्कता (रा.रा. 548ए और रा.रा.753एफ) को 2 लेन से 6 लेन में अपग्रेड करना	सड़क	राजपुरी/ दिघी	योजना के तहत
38	कोर्लाई से कोलाड और कोर्लाई से वडकल तक सड़क का उन्नयन	सड़क	कोर्लई	योजना के तहत
39	दो लेन से चार लेन में उन्नयन - 54 किमी विजयदुर्ग से तालेरे	सड़क	विजयदुर्ग	योजना के तहत
40	सनेगांव से वाकण और सनेगांव से कोलाड तक उन्नयन	सड़क	रेवदंडा-सानेगांव	योजना के तहत
41	रेडी पत्तन से सतारा तक एसएच-123 को 4 लेन सड़क में 25 कि.मी. का अपग्रेडेशन / विस्तार	सड़क	रेड्डी	योजना के तहत
42	42 किलोमीटर एसएच-164 को जयगढ़ से निवाली तक 4 लेन सड़क में अपग्रेडेशन / विस्तार	सड़क	जयगढ़	योजना के तहत

*****